अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा**, 2025**

विषय-हिंदी (ऐच्छिक)

(प्रश्न-पत्र कोड **29**/2/1-3**)**

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य**,** शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	**"**मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं**,** किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना**,** किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।**"**
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय**,** जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं**,** उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।

6	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।
9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना • उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन • मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग • मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग • गलत कुल योग • शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना • उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना

14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

Series:WYX2Z प्रश्न-पत्र कोड - **29/2/1**,2,3

अंक-योजना **2024-25**

हिंदी (ऐच्छिक)

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 80

प्रश्न सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत बिंदु	अंक	
				खंड - क **(अपठित बोध)**	**18**	
	29/**2**/**1**	29/**2**/**2**	29/**2**/**3**			
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर:-**	**10**	
				(i) (B) पेड़-पौधे धरती के तापमान को नियंत्रित रखते हैं।	1	*1*
				(ii) (B) केवल (III)	1	
				(iii)(D) कथन तथा परिणाम दोनों सही हैं।	1	*1*
				(iv) • वन-प्रदेश से प्राप्त होने वाली उपज। जैसे- औषधियाँ, फल-फूल इत्यादि।	1	
				(v) • स्थानीय लोगों द्वारा वन-प्रबंधन से स्वयं को दूर करना • जंगलों का विस्तार गाँवों तक पहुँचना	2	
				(vi) • जंगलों का उचित प्रबंधन न होना • जंगल में आग लगने की घटनाओं का बढ़ना • जंगलों का विस्तार गाँवों तक पहुँचना	2	
				(vii)• वन पारिस्थितिक तंत्र का बिगड़ना • तापमान में वृद्धि • हवा में नमी की मात्रा कम होना	2	

2	2	1	2	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर:-** (i) (C) शोषित वर्ग (ii) (C) गरीबी में पले-बड़े क्रांतिवीर (iii) (C) कथन सही है किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है। (iv) • सामाजिक जीवन/संबंधों में आने वाले अलगाव की ओर संकेत (v) • शोषित वर्ग जड़, निर्जीव, निष्क्रिय नहीं • शांति की चादर से ढके आग के शोले, जो सामाजिक क्रांति लाने में सक्षम (vi)• शोषित वर्ग का विद्रोही भाव • समाज में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम	**8** 1 1 1 1 2 2
				खंड-ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)**	**22**
3	**3**	**5**	**3**	प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित: (क)• समाचार पत्र और पत्रिकाओं में प्रकाशन की सामग्री स्वीकार करने की समय-सीमा (ख) • आर्थिक जगत से जुड़ी तकनीकी शब्दावली को आम लोगों की समझ में आने लायक बनाना • आर्थिक जगत की गहन जानकारी रखने वाले पाठक वर्ग को भी संतुष्ट रखना (ग)• समाचार-पत्र केवल साक्षर लोगों तक सीमित जबकि टी. वी. साक्षर और निरक्षर दोनों के लिए उपयोगी • समाचार-पत्र मुद्रित माध्यम जबकि टी. वी. में दृश्य-श्रव्य और मुद्रित माध्यमों की खूबियाँ एक साथ • समाचार-पत्र की अपेक्षा टी. वी. में खबरों का तत्काल जीवंत प्रसारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**5** 1 2 2
4	**4**	**6**	**4**	**किन्हीं दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर अपेक्षित : (क) • प्रारंभ आकर्षक और उत्सुकतापूर्ण • विषयानुकूल चित्र/ ग्राफिक्स/रेखांकन का प्रयोग	**3 x 2 = 6**

				• प्रारंभ, मध्य और अंत का पारस्परिक अंतर्संबंध • ज्ञान और सूचना के साथ मनोरंजन (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) (ख) नहीं, क्योंकि :- • पत्रकारीय लेखन का संबंध समसामयिक और वास्तविक घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों से • पत्रकारीय लेखन पाठकों की रूचि और जरूरतों को ध्यान में रखकर लिखा जाने वाला तात्कालिक लेखन • पत्रकारीय लेखन की भाषा आम बोलचाल की भाषा (ग) • सामान्य लेखन की भाषा आम बोलचाल की भाषा, विशेष लेखन सामान्य लेखन से हटकर लिखा गया विशेष लेख जिसकी अपनी विशेष तकनीकी शब्दावली **उदाहरण:-** • कारोबार और व्यापार जगत से जुड़ी खबरों में ब्याज दर, मुद्रास्फीति, आयात-निर्यात आदि शब्दों का प्रयोग • पर्यावरण से जुड़ी खबरों में ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु-परिवर्तन आदि शब्दों का प्रयोग (अन्य उचित उदाहरण भी स्वीकार्य)	
5	**5**	**3**	**6**	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख : • विषयवस्तु : 3 अंक • भाषा : 1 अंक • प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
6	**6**	**4**	**5**	**किन्हीं दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर अपेक्षित : (क) **छंद** – छंद कविता का अनिवार्य तत्त्व। वर्ण, मात्रा, यति, गति और लय आदि के नियमों के अनुसार पद्य को व्यवस्थित करने की शैली। **महत्त्व :** • छंद के अनुशासन से ही लय का निर्वाह • कविता में गेयात्मकता का पुट	**3 x 2 = 6**

				• मानस-अंतः पटल पर स्थायी छाप (ख)• स्थिति,परिवेश और पात्र के अनुरूप प्रयुक्त भाषा से ही भावाभिव्यक्ति • दर्शकों का पात्रों तथा उसके संवाद से साधारणीकृत होना **उदाहरण:-** • महाभारत, रामायण के संवाद • जयशंकर प्रसाद के नाटकों के संवाद (ग) • आदिकाल से ही कहानी मानव जीवन का अभिन्न अंग • प्रत्येक मनुष्य में अपने अनुभव बाँटने और दूसरों के अनुभवों को जानने की सहज और स्वाभाविक प्रवृत्ति • हर आदमी में कहानी कहने का मूल भाव निहित	
				खण्ड-ग **(पाठ्यपुस्तक- अंतरा तथा अंतराल पर आधारित)**	**40**
7	**7**	**9**	**8**	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i)(C)भाग्य को (ii)(B) माँ को दोषी कहना और स्वयं को सदाचारी कहना। (iii)(D) बोए पेड़ बबूल के तो आम कहाँ से होय (iv)(A) भरत के दुर्भाग्य की लहर (v)(B) भरत का आत्मपरिताप और राम के प्रति प्रेम	**1 x 5 = 5**
8	**8**			काव्यखंड पर आधारित किन्हीं **दो प्रश्नों** के लगभग 40 शब्दों में उत्तर अपेक्षित :- (क)• पुत्री के प्रति कुछ न कर पाने के अपराध -बोध से ग्रसित पिता की भावात्मक अभिव्यक्ति • पिता के रूप में अपनी व्यथा और विवशता को व्यक्त करना • आजीवन अपने ही संघर्षों में लीन रहना • आर्थिक स्थिति और कुछ न कर पाने के कारण स्वयं को भाग्यहीन मानना	**2 x 2 = 4**

		7		• पुत्री का लालन-पालन स्वयं न करके उसे ननिहाल छोड़ना • पुत्री की मृत्यु पर अपने सत्कर्मों से उसका तर्पण करना (ख)• मनुष्य का प्रकृति से नाता टूटना • ऋतु-परिवर्तन का बोध अनुभव से नहीं अपितु कैलेंडर से होना • मनुष्य का प्रकृति-सौंदर्य से निरपेक्ष रहना • उसका प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव (ग)• सुख-दुःख का संबंध मन से • मन के दुखी होने पर सुन्दरता के उपादान भी निष्प्रभावी • पुष्पित वन को देखकर कमलमुखी नायिका का अपने नेत्रों को मूँद लेना • कोयल की मीठी कूक और भौंरों की मधुर गुंजार सुनकर नायिका का कानों को बंद कर लेना (क)• निराला के जीवन-संघर्ष और पीड़ा की मार्मिक अभिव्यक्ति • जीवन-भर के अभावों की पीड़ा • पुत्री के लिए कुछ न कर पाने की विवशतापूर्ण व्यथा • तात्कालिक सामाजिक रूढ़ियों से संघर्ष (ख)• आधुनिक जीवन की व्यस्त शैली में मनुष्य का प्रकृति सौंदर्य से निरपेक्ष रहना • उसका प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव • ऋतु-परिवर्तन का बोध अनुभव से नहीं अपितु कैलेंडर से होना (ग) • श्रीकृष्ण के वियोग में राधा का क्षीणकाय होना • पुष्पित वन को देखकर कमलमुखी नायिका का अपने नेत्रों को मूँद लेना • कोयल की मीठी कूक और भौंरों की मधुर गुंजार सुनकर नायिका का कानों को बंद कर लेना • प्राकृतिक उपादानों का उसकी पीड़ा को बढ़ाना	

			7	• कातर दृष्टि से चहुँ ओर कृष्ण को ढूँढना (क) • दोनों ही मातृविहीन • दोनों का ही पालन-पोषण और वैवाहिक रीतियों का निर्वहन पिता द्वारा (ख)• आधुनिक जीवन की व्यस्त शैली में मनुष्य का प्रकृति सौंदर्य से निरपेक्ष रहना • उसका प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव • ऋतु-परिवर्तन का बोध अनुभव से नहीं अपितु कैलेंडर से होना (ग)• प्रेम अनुभूतिजन्य • प्रेमाभिव्यक्ति शब्दातीत • प्रेम का स्वरूप पल-पल परिवर्तित	
9	**9**	**8**	**9**	किसी ***एक*** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक • विशेष : 1 अंक (क) कवि : मलिक मुहम्मद जायसी कविता : बारहमासा **अथवा** (ख) कवि : केदारनाथ सिंह कविता : बनारस	**6**
10	**10**	**11**	**10**	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i)(A) शोषक वर्ग की मनोवृत्ति को उजागर करना। (ii)(D) अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए (iii)(C) मज़दूरों को दी जाने वाली मज़दूरी से छुटकारा। (iv)(B) मज़दूरों के चार हाथ लगाने के लिए	**1 x 5 = 5**

				(v)(D) कथन तथा परिणाम दोनों सही हैं।	
11	**11**			गद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर अपेक्षित:- (क)• चौधरी साहब और पंडित जी के बीच का वार्तालाप— "जल ही खाया है कि कुछ फलाहार भी पिया है? " • चौधरी साहब और उनके नौकर के बीच का वार्तालाप—"कारे बचा त नाहीं" (ख)• निश्छल सेवाभाव • दया और सहानुभूति • सरल और विनम्र व्यवहार • सबके साथ अपनत्व (ग)• समाज के धनाढ्य और प्रभुत्वशाली वर्ग का • किसानों की बदहाली और बेबसी को उजागर करना • पूँजीपतियों की नजर किसानों की जमीन और उत्पाद पर • किसान को साझा खेती करने का झाँसा देकर उसकी सारी फसल हड़पना	**2 x 2 = 4**
		10		(क) मुक्त उत्तर : • कोई भी साहित्यकार **क्यों ?** • उनके आदर्श, विचार, समाज-सेवा आदि • लेखन शैली, विषयवस्तु आदि साहित्यिक विशेषताएँ (ख)• ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा, आस्था और विश्वास होना • ईश्वर की प्राप्ति साधनों से नहीं मन के भाव से (ग) • शेर व्यवस्था का, सत्ता का प्रतीक • शासन व्यवस्था का समर्थन करते रहने तक सत्ता अहिंसावादी और सह-अस्तित्ववादी • शासन व्यवस्था का विरोध करते ही उसका आक्रामक हो जाना	
			11	(क)• उनकी हर अदा से रियासत और तबीयतदारी टपकना • लड़के का पान की तश्तरी लिए उनके पीछे टहलना	

				• उनके यहाँ वसंत-पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर खूब नाचरंग और उत्सव होना (ख)• लेखक और उनकी पत्नी की स्वयं आवभगत करना • अपने हाथों से चाय बनाना, फल छील-छीलकर खिलाना • गुसलखाने के बाहर तौलिया लेकर खड़े होना (ग)• प्रजा की छद्म प्रगति और विकास के बहाने उत्पादन के सभी साधनों पर राजा द्वारा अपनी पकड़ मजबूत करना • प्रजा के जीवन को स्वर्गमय बनाने के बहाने अपना जीवन स्वर्गमय बनाना • जनता को एकजुट होने से रोकना	
12	**12**	**12**	**12**	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : • संदर्भ : 1 अंक (पाठ व लेखक का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक •विशेष: 1 अंक (क) लेखक: फणीश्वरनाथ 'रेणु' पाठ : संवदिया **अथवा** (ख) लेखक: हजारीप्रसाद द्विवेदी पाठ : कुटज	**6**
13	**13**			पूरक पाठ्य पुस्तक पर आधारित किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में अपेक्षित:- (क) **विशेषताएँ :** • सहृदय • सहनशील • क्षमाशील **प्रासंगिकता**	**5 x 2 = 10**

				• वर्तमान समाज में हिंसा और प्रतिशोध की भावना का बढ़ना • नैतिक और मानवीय मूल्यों का ह्रास होना • ऐसे में सूरदास का चरित्र आदर्श प्रतिस्थापित करने वाला (ख)• डियर पार्क में बत्तख द्वारा अपने बच्चों को डैनों के नीचे/बीच में रखकर सतर्कतापूर्वक रक्षा करने के संदर्भ में **आशय:-** • माँ की ममता अवर्णनीय, जिसका वर्णन अनेक मुख वाले शेषनाग और विद्या की देवी सरस्वती जी द्वारा भी संभव नहीं **स्पष्टीकरण:-** मुक्त उत्तर (अभ्यर्थी द्वारा दिया गया यथोचित स्पष्टीकरण स्वीकार्य) (ग) **जिम्मेदार कौन:-** • यूरोप और अमेरिका की खाऊ-उजाडू सभ्यता **भूमिका:-** • हाँ, तापमान वृद्धि में विकसित देशों के साथ-साथ विकासशील देशों की भी अहम् भूमिका **उपाय:-** • प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखना • प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन • संयमित और अनुशासित जीवन-शैली (इसी प्रकार के अन्य उचित तर्क स्वीकार्य)	
		13		(क) **आशय:-** • प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन करने से प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना आसान **उदाहरण:-**	

				• 1899 में मालवा में सिर्फ 15.75 इंच पानी गिरना, इसे लोक में 'छप्पन का काल' नाम से जाना जाना • मालवा में इतने कुएँ, बावड़ी और तालाब होना कि इस दुष्काल में भी यहाँ के लोगों का भूखे-प्यासे नहीं मरना • राजस्थान के ठेठ मारवाड़ के लोगों को भी यहाँ के लोगों द्वारा सहारा देना (ख) **विशेषताएँ :** • सहृदय • सहनशील • क्षमाशील **प्रासंगिकता** • वर्तमान समाज में हिंसा और प्रतिशोध की भावना का बढ़ना • नैतिक और मानवीय मूल्यों का ह्रास होना • ऐसे में सूरदास का चरित्र आदर्श प्रतिस्थापित करने वाला (ग)• डियर पार्क में बत्तख द्वारा अपने बच्चों को डैनों के नीचे/बीच में रखकर सतर्कतापूर्वक रक्षा करने के संदर्भ में **आशय:-** • माँ की ममता अवर्णनीय, जिसका वर्णन अनेक मुख वाले शेषनाग और विद्या की देवी सरस्वती जी द्वारा भी संभव नहीं **स्पष्टीकरण:-**	
			13	मुक्त उत्तर (अभ्यर्थी द्वारा दिया गया यथोचित स्पष्टीकरण स्वीकार्य) (क) • भारतीय राजाओं (विक्रमादित्य, भोज और मुंज आदि) द्वारा जल संसाधनों का प्रबंधन व संरक्षण यूरोप से भी पहले • बरसात के पानी को रोकने के लिए कुएँ, बावड़ियाँ और तालाब बनवाकर धरती के पानी को जीवंत रखना	

				• आज के इंजीनियरों की तुलना में उनका अधिक दूरदर्शी होना • भविष्य के लिए संसाधनों के नियोजन के प्रति सचेत (ख) **विशेषताएँ :** • सहृदय • सहनशील • क्षमाशील **प्रासंगिकता** • वर्तमान समाज में हिंसा और प्रतिशोध की भावना का बढ़ना • नैतिक और मानवीय मूल्यों का ह्रास होना • ऐसे में सूरदास का चरित्र आदर्श प्रतिस्थापित करने वाला (ग)• डियर पार्क में बत्तख द्वारा अपने बच्चों को डैनों के नीचे/बीच में रखकर सतर्कतापूर्वक रक्षा करने के संदर्भ में **आशय:-** • माँ की ममता अवर्णनीय, जिसका वर्णन अनेक मुख वाले शेषनाग और विद्या की देवी सरस्वती जी द्वारा भी संभव नहीं **स्पष्टीकरण:-** मुक्त उत्तर (दिया गया यथोचित स्पष्टीकरण स्वीकार्य)	